

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2473

I

Unique Paper Code : 2323100007

Name of the Paper : Understanding Ambedkar

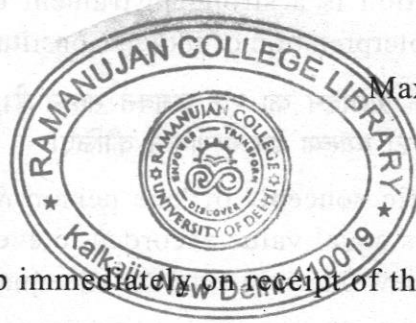
Name of the Course : B.A. (Prog) Political Science-DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

**Instructions for Candidates**



1. Write your Roll No- on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए, निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. Attempt Any Five questions-

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

3. All questions carry equal marks-

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. Answers may be written either in English or Hindi but the same medium should be followed throughout the paper-

इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Examine Ambedkar's approach to the study of Religion and Society.

धर्म और समाज के अध्ययन के प्रति अम्बेडकर के दृष्टिकोण का परीक्षण कीजिए।

2. Caste is by default on outcome of Varna System. Examine the view of Ambedkar on Caste in the light of above statement.

जाति वर्ण व्यवस्था का स्वाभाविक उत्पाद है। उपरोक्त कथन के आलोक में अम्बेडकर के जाति पर विचारों का परीक्षण कीजिए।

3. Critically evaluate Ambedkar's view on Islam in reference to religious conversion.  
धर्मांतरण के संदर्भ में इस्लाम पर अम्बेडकर के दृष्टिकोण का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

4. Critically evaluate Ambedkar's interpretation on women status and rights in Hindu societies with special reference to Hindu Code Bill.

हिंदू कोड बिल के विशेष संदर्भ में हिंदू समाज में महिलाओं की स्थिति और अधिकारों पर अम्बेडकर की व्याख्या का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

5. The Constitution is a strong instrument of social transformation. Evaluate Ambedkar's interpretation of Indian Constitution in light of the above statement.

संविधान सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त साधन है। उपरोक्त कथन के आलोक में अम्बेडकर की भारतीय संविधान की व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए।

6. The democratic concepts of 'one person & one vote cannot be materialized unless there is equal value accorded to every citizen. Write a critical note on Ambedkar's view on socio-economic inequality in India.

'एक व्यक्ति एक मत, का लोकतांत्रिक सिद्धांत तब तक सार्थक नहीं हो सकता जब तक कि प्रत्येक नागरिक का समान मूल्य न हो। भारत में सामाजिक-आर्थिक असमानता के बारे में अम्बेडकर के विचारों पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

7. Discuss Ambedkar's ideas on Constitutionalism in the context of Rights and Equality.

अधिकारों और समानता के संदर्भ में संविधानवाद पर अम्बेडकर के विचारों की विवेचना कीजिए।

8. Examine Ambedkar's perspective on the need of inclusive economic development in India.

भारत में समावेशी आर्थिक विकास की आवश्यकता पर अम्बेडकर के दृष्टिकोण का परीक्षण कीजिए।

9. Write short notes on Any Two of the following:

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) Ambedkar's approach to Economy.

अर्थव्यवस्था के प्रति अम्बेडकर का दृष्टिकोण

(b) Uniform Civil Code

समान नागरिक संहिता

(c) Land Reform

भूमि सुधार

(d) Parliamentary Democracy

संसदीय लोकतंत्र